

सौश्रुतम 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान \(AIIA\)](#) के शल्य तंत्र विभाग ने सुश्रुत जयंती-2024 के अवसर पर द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सौश्रुतम (SAUSHRUTAM) शल्य संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।



मुख्य बढि

- **शल्य चकित्सा के महान जनक** सुशरुत के सम्मान में प्रतविरष 15 जुलाई को सुशरुत जयंती मनाई जाती है।
- वह काशी (लगभग 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व) के एक प्राचीन भारतीय शल्य चकित्सक थे और उन्होंने चकित्सा तथा शल्य चकित्सा पर एक व्यापक पाठ्यपुस्तक 'सुशरुत संहिता' लिखी थी।
- सुशरुत संहिता को पाँच प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है:
 - **सूत्रस्थान (Sutrasthana):** चकित्सा विज्ञान और औषध विज्ञान के मूल सिद्धांतों से संबंधित प्राथमिक सिद्धांत;
 - **निदान (Nidana):** यह रोगात्मक अवधारणाओं से संबंधित है;
 - **सरिस्थान (Sarirasthana):** मानव शरीर रचना विज्ञान पर;
 - **चकित्सास्थानम (Chikitsasthanam):** चकित्सा और शल्य चकित्सा प्रबंधन पर;
 - **कल्पस्थानम (Kalpasthanam):** वधि विज्ञान पर।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/saushrutam-2024>

